बिहार में महिलाओं की सहभागिता से बदलता प्रशासनिक परिदृश्य

सौरभ सुमन

शोद्यार्थी राजनीति विज्ञान, विभाग

पटना विश्वविद्यालय, पटना

सारांश :– बिहार राज्य में महिलाओं को समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ती है। महिलाएं बिहारी संस्कृति के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से हैं और वे परंपरागत तौर पर अपने परिवारों और समुदायों के लिए समर्पित होती हैं। बिहार में महिलाएं अपने घर के काम, खेती और पशुपालन जैसे दैनिक कार्यों में भी अहम भूमिका निभाती हैं। वे अपने समुदायों में राजनीतिक और सामाजिक संघर्षों में भी शामिल होती हैं। बिहार में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई सरकारी योजनाएं हैं। राज्य सरकार ने महिलाओं को उच्च शिक्षा देने के लिए स्कॉलरशिप योजनाओं की शुरुआत की है और इसके अलावा वे मुफ्त ट्रेनिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों में भी भाग ले सकती हैं। हालांकि, बिहार में अभी भी महिलाओं को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे बाल विवाह, दहेज और स्त्री हिंसा। इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकारी तंत्र और सामाजिक संगठनों ने अनेक प्रयास किए हैं। बिहार में महिलाओं को समाज में एक महत्वपूर्ण रूप से मान्यता दी जाती है। हालांकि, बिहार के समाज में अभी भी कुछ कमियां हैं जो महिलाओं को अपने अधिकारों से वंचित करती हैं। बिहार में महिलाओं को राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में बड़ा महत्व दिया जाता है। राजनीति में, बिहार में कुछ महिला नेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं और बिहार में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण भी है। शिक्षा में, बिहार सरकार ने महिलाओं को शिक्षित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं के तहत, महिलाओं को निरूशुल्क शिक्षा, विद्यालयों के निर्माण, अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के लिए सुविधाएं, बालिका विद्यालयों की स्थापना आदि की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

मुख्य शब्द :– प्रशासनिक, उत्तरदायित्व, अधिकार, भूमिका, पारदर्शिता, परिवेश, निर्भर।

प्रस्तावना :– महिलाओं की प्रशासनिक भूमिका दुनिया भर में बढ़ रही है। भारत में भी महिलाओं को प्रशासनिक भूमिकाओं में अधिक से अधिक शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बिहार में भी महिलाओं को प्रशासनिक भूमिकाओं में उनके

योगदान को मान्यता दी जा रही है। वे प्रशासनिक सेवाओं में समानता के साथ हिस्सा ले रही हैं। बिहार में महिलाओं को विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक भूमिकाओं में चुनौती दी जा रही है। उन्हें जिला कलेक्टर, जिला पंचायत अध्यक्ष, स्थानीय निकाय अध्यक्ष, ग्राम पंचायत सदस्य और जिला स्तरीय समूहों के सदस्य जैसी भूमिकाएं सौंपी जा रही हैं। बिहार में

महिलाओं को प्रशासनिक भूमिकाओं में भी उनके सामाजिक संरचना, अर्थव्यवस्था और आर्थिक समावेशन की समस्याओं को समझने और उन्हें दूर करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता होती है। महिलाओं की प्रशासनिक भूमिका दर असल बढ़ रही है। आज के समय में, महिलाएं सरकारी विभागों, निगमों, संस्थाओं और विभिन्न उद्योगों में अपनी भूमिका निभाती हैं। भारत की संविधान में महिलाओं के अधिकारों का सम्मान किया गया है और सरकार ने भी इसे समर्थन प्रदान करते हुए महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाएं और नीतियों को लागू किया है। महिलाओं को विभिन्न सरकारी विभागों में भर्ती किया जाता है जैसे कि पुलिस, जल संसाधन, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि। भारतीय नारी आयोग ने भी महिलाओं की संरचना में उनकी भूमिका को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्कीमों और नीतियों की सिफारिश की है। स्त्री शक्ति निर्माण और महिला संरचना को बढ़ावा देने के लिए यह आयोग संबंधित सरकारी विभागों को सुझाव देता है। इस तरह से, महिलाओं की प्रशासनिक भूमिका बढ़ रही है और समाज में उनका सम्मान भी बढ़ता जा रहा है।

बिहार में महिलाओं की सहभागिता से बदलता प्रशासनिक परिदृश्य :–

बिहार में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य धीरे–धीरे बदलता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, बिहार सरकार ने महिलाओं को उनकी भूमिका में बढ़ावा देने के लिए कई नीतियों और योजनाओं को शुरू किया है। बिहार में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए बिहार महिला सशक्तिकरण निगम शुरू किया गया है, जो महिलाओं को उद्यमिता के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करता है। सरकार ने महिलाओं को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, बिहार में स्त्री शक्ति स्वयं सहायता समूह भी हैं, जो महिलाओं को स्वयं रोजगार के लिए उत्साहित करते हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए स्थानीय स्तर पर भी कई समूह हैं जो महिलाओं को रोजगार और उत्पादन के अवसर प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। बिहार में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य में काफी बदलाव आया है। अपनी भूमिका निभाने के

लिए, महिलाएं भी सक्रिय रूप से स्थानीय शासन, सरकारी निगम, बैंक आदि में भर्ती हो रही हैं। बिहार में महिला सशक्तिकरण के लिए कई नीतियां और योजनाएं शुरू की गई हैं जैसे मुख्यमंत्री नारी उत्थान योजना, जिसके तहत महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण और ऋणों की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण विभाग भी बनाया है, जिसके अंतर्गत उन्हें विभिन्न योजनाओं और पहलों से लाभ मिलता है। साथ ही, महिला प्रतिनिधि मंडल चुनावों के दौरान बिहार में बहुत अहम होते हैं और महिलाओं को निर्वाचित करने के लिए उन्हें विशेष रूप से उत्तरदायित्व सौंपा जाता है। इस तरह से, बिहार में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य में काफी बदलाव आया है। बिहार में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य बदलता जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां लागू की हैं। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में भर्ती किया जाता है और उन्हें विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्ति दी जाती है। बिहार सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग और महिला सशक्तिकरण विभाग की स्थापना की है जो महिलाओं को समर्थन प्रदान करते हैं। महिलाओं को निःशुल्क उपयोग के लिए कृषि उपकरणों की आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधाएं और शिक्षा के लिए अनेक योजनाएं प्रदान की जाती हैं। स्त्री एवं बाल संरक्षण विभाग ने महिलाओं के लिए महिला थाना और बालिका गृह जैसी विशेष सुविधाएं प्रदान की हैं। समाज के अंदर महिलाओं के लिए अलग–अलग योजनाएं और कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं जो महिलाओं के समाज में अधिक सम्मान के लिए अवसर प्रदान करते हैं।

बिहार में महिलाओं की शिक्षा सेवा में सहभागिता से बदलता परिदृश्य देखा जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं के शिक्षा में बढ़ोतरी के लिए कई नीतियां लागू की हैं। बिहार में सरकारी स्कूलों में महिला शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही, महिलाओं को सरकारी नौकरियों में भी बढ़े प्रतिशत में भर्ती किया जा रहा है। बिहार सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अन्याय को दूर करने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। ये योजनाएं मुख्य रूप से महिला छात्राओं के लिए हैं। महिला शिक्षकों को निःशुल्क समर्थन दिया जाता है ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक भूमिका निभा सकें। महिलाओं को शिक्षा संस्थानों में अधिक से अधिक नौकरियों की उपलब्धता दी जाती है। सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं में महिलाओं के लिए अलग–अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है जो उन्हें उनकी शिक्षा और उनके कैरियर में सहयोग प्रदान करें। बिहार में महिलाओं की सहभागिता से शिक्षा सेवा में परिदृश्य बदलता जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं को शिक्षा सेवा में बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां लागू की हैं। बिहार में महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि हुई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को

प्राथमिकता दी जाती है। सरकारी विश्वविद्यालयों में भी महिलाओं को बढ़ावा दिया जाता है। बिहार सरकार ने निजी स्कूलों में महिलाओं की भी भर्ती को बढ़ावा दिया है। महिलाओं को स्कूल के नियम और निर्देशों के अनुसार शिक्षा देने की भी अनुमति दी जाती है। बिहार में शिक्षा सेवा में महिलाओं की सहभागिता से बदलता परिदृश्य देखा जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं को शिक्षा क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां लागू की हैं। महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर समर्थन प्रदान किया जा रहा है।

बिहार पुलिस सेवा में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य बदलता जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं को पुलिस सेवा में शामिल करने के लिए कई उपाय अपनाए हैं। बिहार में महिला पुलिस के लिए अलग से भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके अलावा, महिला पुलिस को विशेष ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे पुलिस सेवा में अपनी भूमिका को अधिक बेहतरीन ढंग से निभा सकें। बिहार में महिला पुलिस को महिला अपराधों के आरोपियों के साथ बातचीत करने का अधिकार दिया गया है। इससे न केवल महिलाओं की सुरक्षा में सुधार हुआ है बल्कि महिला अपराधियों के साथ बातचीत करने से उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढने में मदद मिलती है। इसके अलावा, महिला पुलिस को आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, जैसे महिला थाना व वाहन। इन सुविधाओं के माध्यम से महिला पुलिस अपनी भूमिका को अधिक बेहतरीन ढंग से निभा सकती हैं। बिहार पुलिस सेवा में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य बदलता जा रहा है। सरकार ने महिला पुलिस के लिए विशेष कोटा प्रदान करने के लिए नीतियां बनाई हैं। इससे महिलाएं पुलिस सेवा में भाग लेने के लिए उत्सुक हो रही हैं। बिहार पुलिस सेवा में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य बदलता जा रहा है। बिहार पुलिस महिलाओं के लिए विशेष कोटा भी आरक्षित करता है। बिहार पुलिस सेवा में महिलाओं को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए, सरकार ने विभिन्न पदों पर महिला पुलिस अधिकारियों की भर्ती के लिए विशेष कोटा आरक्षित किया है। इसके अलावा, महिला पुलिस अधिकारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे पुलिस सेवा में समान तौर पर भाग ले सकें। बिहार पुलिस विभाग ने भी महिला सुरक्षा समेत विभिन्न योजनाओं को शुरू किया है, जो महिलाओं को सक्षम बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, बिहार पुलिस सेवा ने महिलाओं को अधिक से अधिक शामिल करने के लिए विभिन्न संगठनों और समूहों के साथ भी संबंध बनाए हैं। इन सभी उपायों के कारण बिहार पुलिस सेवा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ती जा रही है और इससे प्रशासनिक परिदृश्य में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

बिहार स्वास्थ सेवा में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य बदलता जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं को स्वास्थ सेवा में भी अधिक से अधिक शामिल करने के लिए कई

उपाय अपनाए हैं। बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए स्वास्थ सेवाओं में विशेष कोटा भी आरक्षित किया है। इसके अलावा, महिलाओं के लिए निःशुल्क महिला स्वास्थ समूहों का गठन किया गया है जो महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए समर्थन और सलाह प्रदान करते हैं। स्वास्थ सेवाओं में महिलाओं की सहभागिता बढ़ने के साथ–साथ, बिहार सरकार ने जनसामान्य के लिए भी कई उपाय अपनाए हैं। उनमें से एक है निःशुल्क जन स्वास्थ्य बीमा योजना जिससे सभी जनता के लिए स्वास्थ सेवाएं सुलभ होती हैं। इसके अलावा, सरकार ने विभिन्न स्वास्थ सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए नई सुविधाओं को भी शुरू किया है। इन सभी पहलों के कारण बिहार स्वास्थ सेवा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ती जा रही है। बिहार स्वास्थ सेवा में महिलाओं की सहभागिता से प्रशासनिक परिदृश्य बदलता जा रहा है। बिहार स्वास्थ सेवा में महिलाओं को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए सरकार ने विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं।

बिहार स्वास्थ सेवा में महिलाओं के लिए विशेष कोटा भी आरक्षित किया गया है। इसके अलावा, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भर्ती के लिए विशेष अभ्यासक्रम तैयार किए गए हैं। इससे महिलाएं स्वास्थ्य सेवा में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। बिहार सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न संगठनों को भी संबोधित कर उन्हें सहयोग देने के लिए अनुरोध किया है। इन संगठनों में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताएं भी शामिल होती हैं और वे स्थानीय स्तर पर महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुड़े समाचार और सलाह देती हैं। इस तरह से, बिहार स्वास्थ सेवा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ती जा रही है और इससे सेवा की गुणवत्ता भी बढ़ रही है।

बिहार सामान्य सेवा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ती जा रही है और इससे प्रशासनिक परिदृश्य में भी बदलाव देखा जा रहा है। बिहार सरकार ने महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय अपनाए हैं। बिहार सरकार ने सभी विभागों में महिलाओं के लिए विशेष कोटा आरक्षण दिया है। इसके अलावा, महिलाओं के लिए समान वेतन और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए भी विशेष अभ्यासक्रम तैयार किए हैं जो सामान्य सेवा में उन्हें शामिल होने के लिए उनकी तैयारी करने में मदद करते हैं। बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए विभिन्न पदों पर आरक्षित भर्ती आयोजित की है और इससे महिलाओं को सामान्य सेवा में अधिक से अधिक सहभागिता मिल रही है। बिहार सरकार ने महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न पुरस्कार भी शुरू किए हैं। इन पुरस्कारों से महिलाएं जो उत्कृष्ट काम करती हैं, उन्हें सम्मानित किया जाता है। बिहार सरकार ने महिलाओं के सामान्य सेवा में शामिल होने के लिए विभिन्न पदों को रिजर्व कर दिया है। इससे महिलाएं सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक शामिल होती हैं और उनकी सामूहिक भूमिका में बदलाव आता है।

उपसंहार :– बिहार सामान्य सेवा में महिलाओं की सहभागिता देखते हुए परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार सरकार ने नौकरी के लिए महिलाओं के लिए आरक्षण बढ़ाया है और महिलाओं को विभिन्न स्तरों पर पदों पर भर्ती किया जा रहा है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे उन्हें सामान्य सेवा में अधिक से अधिक सम्मान मिल रहा है और उन्हें स्वयं का अनुभव व आत्मविश्वास भी मिल रहा है। इससे उन्हें स्वयं का पूरा विकास करने का मौका मिलता है। महिलाओं की सहभागिता के बढ़ने से सामान्य सेवा की नीतियों, कार्यक्षमता और भ्रष्टाचार से निपटने की क्षमता में भी सुधार आया है। इससे समाज के अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं के लिए नौकरियों के अधिक मौके बन रहे हैं। इसलिए, बिहार सामान्य सेवा में महिलाओं की सहभागिता से बदलता परिदृश्य सकारात्मक है और इससे समाज में समानता और समरसता की भावना जागृत होती है। बिहार सामान्य सेवा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ती जा रही है और इससे बदलता परिदृश्य स्पष्ट देखा जा सकता है। वर्तमान में, स्त्री अधिकारियों की संख्या सामान्य सेवा में बढ़ती जा रही है और यह स्थिति भविष्य में भी बेहतर होने की संभावना है।

संदर्भ सूची :–

महिला सशक्तिकरण और प्रशासन, डॉ. आर. राजलक्ष्मी प्रकाशकरू कल्याणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वष, 2016

महिलाओं के नाम बहुत कुछ, अमृता प्रीतम प्रकाशक, राजकमल प्रकाशन स्थान, नई दिल्ली, वर्ष 2018

महिला सशक्तिकरण और भारतीय समाज, डॉ. मीनू गुप्ता प्रकाशक, रवि प्रकाशन ,नई दिल्ली, वर्ष 2017

महिलाओं के लिए भारतीय संविधान, एम. एम. सिंह प्रकाशकरू सम्पूर्णानंद ,नई दिल्ली, वर्ष, 2019

महिलाएं और न्याय , उमा चक्रवर्ती प्रकाशक, वीवीवी शिक्षण पत्रिका, दिल्ली, वर्ष, 2016

महिला सशक्तिकरण और प्रशासन लेखक, डॉ. आर. राजलक्ष्मी प्रकाशन, कल्याणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016

महिलाओं के नाम बहुत कुछ, अमृता प्रीतम प्रकाशन राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018

महिला सशक्तिकरण और भारतीय समाज, डॉ. मीनू गुप्ता प्रकाशन, रवि प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017

महिलाओं के लिए भारतीय संविधान, एम. एम. सिंह प्रकाशन, सम्पूर्णानंद, नई दिल्ली, 2019

महिलाएं और न्याय, उमा चक्रवर्ती प्रकाशन, वीवीवी शिक्षण पत्रिका, दिल्ली, 2016

बिहार में महिला सशक्तिकरण समस्याएं और समाधान, श्रीमती निशा सिंह, प्रकाशक, आदर्श प्रकाशन, 2019

बिहार में महिलाओं की सामान्य सेवा में सहभागिता, डॉ. संजीवनी कुमारी, प्रकाशक, आदर्श प्रकाशन, 2021

बिहार में महिलाओं की समस्याएं और समाधान, डॉ. राधा कुमारी, प्रकाशक, सुन्दर लाल जैन फाउंडेशन, 2018

महिलाओं के लिए संविधान बिहार के मामले, डॉ. सुधा पसवान, प्रकाशक, राजकमल प्रकाशन, 2017

महिला समाज में भूमिका बिहार की परंपरा और समस्याए, डॉ. अंजू शर्मा, प्रकाशक समाज शोध संस्थान, 2016